Sr. Teacher (Sec. Edu. Deptt.) Exam- 2025
Exam Dt. – 15.07.2026

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

SST-26

3208437

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

Paper Code : 32

Paper – II
Sub : Sanskrit

समय : 02:30 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 02:30 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :

- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :

- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न केलिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।
9. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।
10. *प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
11. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा।
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. शुद्धं वाक्यं चिनुत –

(1) नृपेण मृगेषु शराः अक्षिपत् ।

(2) नृपः मृगेषु शरान् अक्षिपत् ।

(3) नृपात् मृगैः शरेभ्यः अक्षिपत् ।

(4) नृपाय मृगेभ्यः शरैः अक्षिपत् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. "राजा दुष्टों पर क्रोध करता है ।" अस्य वाक्यस्य उचितः संस्कृतानुवादोऽस्ति –

(1) नृपः दुष्टान् क्रुध्यति ।

(2) नृपः दुष्टानां क्रुध्यति ।

(3) नृपः दुष्टेषु क्रुध्यति ।

(4) नृपः दुष्टेभ्यः क्रुध्यति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. "उस पेड़ से ये पीले पत्ते गिरते हैं ।" अस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादो विद्यते –

(1) तेन वृक्षेण एतानि पीतानि पत्राणि पतन्ति ।

(2) तस्य वृक्षस्य तानि पीतानि पत्राणि पतन्ति ।

(3) तस्माद् वृक्षात् यानि पीतानि पत्राणि पतन्ति ।

(4) तस्मात् वृक्षात् एतानि पीतानि पत्राणि पतन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'अध्ययनस्य हेतुः वाराणस्यां तिष्ठति' इत्यस्य वाक्यस्य अशुद्धि संशोधनं कुरुत –

(1) अध्ययनेन हेतुः वाराणस्यां तिष्ठति ।

(2) अध्ययनाय हेतोः वाराणस्यां तिष्ठति ।

(3) अध्ययनस्य हेतोः वाराणस्यां तिष्ठति ।

(4) अध्ययनात् हेतवे वाराणस्यां तिष्ठति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. 'रामः तिष्ठति' इति वाक्यस्य भाववाच्ये परिवर्तनम् –

(1) रामः तिष्ठ्यते ।

(2) रामेण तिष्ठते ।

(3) रामेण स्थीयते ।

(4) रामः स्थीयते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. 'गुरुः शिष्यं वक्ति' वाक्यमिदं कर्मवाच्ये परिवर्तनीयम् –

(1) गुरुना शिष्यो वच्यते ।

(2) गुरुः शिष्येण उच्यते ।

(3) गुरुणा शिष्यः उच्यते ।

(4) गुरुः शिष्याय उच्यते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. असमीचीनं युग्मं चिनुत –

(1) सहस्रम् – नपुंसकलिङ्गम् ।

(2) शतः – पुल्लिङ्गम् ।

(3) कोटिः – स्त्रीलिङ्गम् ।

(4) अयुतम् – नपुंसकलिङ्गम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. 'मात्रा निलीयते कृष्णः' वाक्यमिदं शोधयत –

(1) मात्रे निलीयते कृष्णः ।

(2) मातुः कृष्णो निलीयते ।

(3) मातरि निलीयते कृष्णः ।

(4) मातृभ्यः कृष्णान्निलीयते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. एषु समीचीनं वाक्यं चिनुत –

(1) द्वितीयः बाला ।

(2) तृतीयः पुस्तकम् ।

(3) नवमं तिथिः ।

(4) सप्तमं दिनम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. 'भेड़' इत्यस्य संस्कृते किं नाम ?

(1) शशः । (2) एडका ।

(3) वृकः । (4) मार्जारः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. "तीन बालक और तीन बालिका चार वेद पढ़ते हैं ।" इत्यस्य वाक्यस्य अनुवादोऽस्ति –

(1) त्रयः बालकाः तिस्रः बालिकाः चत्वारः वेदाः पठन्ति ।

(2) त्रयः बालकाः तिस्रः बालिकाश्च चतुरः वेदान् पठन्ति ।

(3) त्रयः बालकाः तिस्रः बालिकाः चतुरान् वेदान् पठन्ति ।

(4) त्रयः बालकाः त्रयः बालिकाः चत्वारि वेदान् पठन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. सुष्ठु मेलनं कुरुत –

क.	पशुः	i. सारिका ।
ख.	पक्षी	ii. वृन्ताकः ।
ग.	फलम्	iii. वृकः ।
घ.	शाक	iv. दाडिमः ।

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	iii	i	iv	ii
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	ii	i	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. अधोलिखितानि शाकनामानि संस्कृतेन सुमेलयत –

	हिन्दी	संस्कृतनाम
क.	कद्दू	i. गृञ्जनम् ।
ख.	गाजर	ii. अलाबुः ।
ग.	लौकी	iii. रक्ताङ्गः ।
घ.	टमाटर	iv. कुष्माण्डः ।

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	i	ii	iii
(2)	iv	ii	iii	i
(3)	ii	iv	i	iii
(4)	iii	i	iv	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. राधायाः मातुः माता का भवति ?

(1) पितामही । (2) मातामही ।

(3) प्रपितामही । (4) प्रमातामही ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" इति सूत्रे कर्मेत्यनुवृत्तौ पुनः कर्मग्रहणं किमर्थम् ?

(1) कर्मप्रतिपादनार्थम् ।

(2) आधारनिवृत्यर्थम् ।

(3) सुदृढार्थम् ।

(4) अपादाननिवृत्यर्थम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. अधोलिखतपशुनामानि संस्कृतेन मेलयत –

	हिन्दी	संस्कृतनाम
क.	खरगोश	i. गोमायुः ।
ख.	गीदड़	ii. द्विरदः ।
ग.	हाथी	iii. तरक्षुः ।
घ.	तेन्दुआ	iv. शशकः ।

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	iii	ii	i
(2)	iii	iv	i	ii
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	i	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. 'अपवर्गः फलप्राप्तिः' इत्यर्थे विभक्तिर्भवति –

(1) प्रथमा । (2) द्वितीया ।

(3) तृतीया । (4) पंचमी ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. 'नमः स्वस्ति स्वाहास्वधाऽलं वषड्योगाच्च' सूत्रे 'स्वधा' इत्यस्य समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) पितृभ्यः । (2) देवेभ्यः ।

(3) दैत्येभ्यः । (4) प्रजाभ्यः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. सूत्रैः सह उदाहरणानि सुमेलनीयानि –

क.	उपान्वध्याङ्वसः	i. अधितिष्ठति वैकुण्ठं हरिः ।
ख.	हेतौ	ii. देवदत्ताय रोचते मोदकः ।
ग.	अधिशीङ्स्थासां कर्म	iii. दण्डेन घटः ।
घ.	रुच्यर्थानां प्रीयमाणः	iv. अधिवसति वैकुण्ठं हरिः ।

उत्तरक्रमाः –

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	iii	ii	i
(2)	i	iv	iii	ii
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	ii	i	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. 'अकथितं च' इत्यस्य उदाहरणं नास्ति –

(1) सः गां दोग्धि पयः ।

(2) बलिं याचते वसुधाम् ।

(3) सुधां क्षीरनिधिं मथ्नाति ।

(4) देवदत्तः शतं मुष्णाति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. नियमपूर्वकविद्यास्वीकारे अपादानसंज्ञकः कः ?

(1) असोढः । (2) वक्ता ।

(3) श्रोता । (4) भयहेतुः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. एतेषु 'कर्तृकर्मणोः कृति' सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) काव्यस्य प्रणेता ।

(2) कवेः कृतिः ।

(3) रामस्य पूज्यः ।

(4) ईश्वरः जगतः कर्त्ता ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. 'गवां गोषु वा कृष्णा बहुक्षीरा' इत्यत्र केन तत्त्वेन समुदायादेकदेशस्य पृथक्करणं कृतम् ?

(1) जात्या । (2) संज्ञया ।

(3) क्रियया । (4) गुणेन ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. अनादराधिक्ये भावलक्षणे षष्ठ्याः उदाहरणम् किम् ?

(1) रुदतः प्राव्राजीत् ।

(2) सतां गतम् ।

(3) सर्पिषो जानीते ।

(4) मातुः स्मरति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. यत्र द्वितीयचतुर्थपादयोः सप्तमो वर्णः ह्रस्वत्वमुपयाति, तत्र किं छन्दः ?

(1) आर्या ।

(2) द्रुतविलम्बितम् ।

(3) अनुष्टुप् ।

(4) हरिणी ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. इन्द्रवज्रोपेन्द्र वज्रयोः विषये किम् असत्यम् ?

(1) उभयत्र प्रतिचरणं एकादश वर्णाः ।

(2) उभयत्र पादान्ते यतिर्भवति ।

(3) उभयत्र पादान्ते गुरुद्वयम् ।

(4) उभयत्र पादादौ तगणद्वयम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. यत्र प्रतिचरणं चत्वारो यगणाः, तत्र छन्दो भवति –

(1) वंशस्थम् ।

(2) द्रुतविलम्बितम् ।

(3) उपजातिः ।

(4) भुजङ्गप्रयातम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. 'स्थाल्यां पचति' इत्यत्र कः आधारोऽस्ति ?

(1) वैषयिकः । (2) औपश्लेषिकः ।

(3) शैषिकः । (4) अभिव्यापकः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. समुचितं मेलनं कुरुत –

क.	सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यम्	i. हरिणी ।
ख.	पुरः साधुवद् भाति मिथ्याविनीतः	ii. मन्दाक्रान्ता ।
ग.	अध्याक्रान्ता वसतिरमुनाव्याश्रमे सर्वभोग्ये	iii. मालिनी ।
घ.	अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे	iv. भुजङ्गप्रयातम् ।

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	iv	ii	i
(2)	iv	ii	i	iii
(3)	ii	iii	iv	i
(4)	iii	i	ii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. 'कुरुत सुकृतं यावन्नेयं तनुः प्रविशीर्यते ।' अत्र कस्य पादलक्षणं संघटते ?

(1) मन्दाक्रान्तायाः । (2) हरिण्याः ।

(3) शिखरिण्याः । (4) स्रग्धरायाः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. यस्य प्रतिपादम् आदौ नगणः अन्ते च रगणः, तत् किं छन्दः ?

(1) द्रुतविलम्बितम् ।

(2) बसन्ततिलका ।

(3) मालिनी ।

(4) पुष्पिताग्रा ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. उपमानोपमेययोः अतिसाम्याद् काल्पनिकः अभेदारोपत्वे कोऽलङ्कारः ?

(1) उपमा । (2) रूपकम् ।

(3) उत्प्रेक्षा । (4) व्यतिरेकः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता ।

अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्त्रमपि ।।

इत्यस्मिन् पद्ये श्लेषालंकारस्य कः भेदः ?

(1) प्रत्यय श्लेषः ।

(2) लिङ्ग श्लेषः ।

(3) विभक्ति श्लेषः ।

(4) वर्ण श्लेषः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. "सधर्मस्य वस्तुनः प्रतिबिम्बने कोऽलंकारः भवति ?"

(1) दीपकम् । (2) तुल्ययोगिता ।

(3) उत्प्रेक्षा । (4) दृष्टान्तः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. शार्दूलविक्रीडितछन्दविषये संगतं नास्ति –

(1) अत्र प्रतिपदं उनविंशति वर्णाः भवन्ति ।

(2) सूर्याश्वैर्यदि मः सजौ सततगा इति लक्षणम् ।

(3) वर्णिक् छन्दोऽयम् ।

(4) अत्र द्वादशभिः पञ्चभिश्च यतिर्भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. हेतुरूपक्रियायाः अभावेऽपि तत्फलप्रकाशने कोऽलंकारो भवति ?

(1) विशेषोक्तिः । (2) निदर्शना ।

(3) समासोक्तिः । (4) विभावना ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. 'धनिनोऽपि निरुन्मादा युवानोऽपि न चञ्चलाः ।
प्रभवोऽप्यप्रमत्तास्ते महामहिमशालिनः ।।' इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

(1) विशेषोक्तिः । (2) विभावना ।

(3) दीपकम् । (4) समासोक्तिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. 'बृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति ।
सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा ।।' अत्र कोऽलंकारः ?

(1) भ्रान्तिमान् ।

(2) तुल्ययोगिता ।

(3) दृष्टान्तः ।

(4) अर्थान्तरन्यासः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. यत्र पदार्थानां प्रस्तुतानामप्रस्तुतानां वा एकधर्माभिसम्बन्धत्वं, तत्रालङ्कारो भवति –

(1) रूपकम् । (2) विभावना ।

(3) तुल्ययोगिता । (4) सन्देहः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. ऋग्वेदविषयकम् असत्यं वचः किम् ?

(1) पुरा अस्य एकविंशतिः शाखा आसन् ।

(2) शाकलसंहिता मण्डलेषु विभक्तास्ति ।

(3) दशमण्डलेषु 1028 मितानि सूक्तानि ।

(4) वाष्कलसंहिता सर्गेषु विभाजितास्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. 'भृग्वङ्गिरो वेदः' इति कस्य संज्ञा ?

(1) अथर्ववेदस्य । (2) सामवेदस्य ।

(3) यजुर्वेदस्य । (4) ऋग्वेदस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. ब्राह्मणग्रन्थानां प्रतिपाद्यविषयेष्वसंगतमस्ति –

(1) प्रक्रिया । (2) पुराकल्पः ।

(3) हेतुः । (4) निर्वचनम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. शतपथब्राह्मणस्य सप्तदशकाण्डः उच्यते –

(1) तैत्तिरीयोपनिषद् ।

(2) ऐतरेयोपनिषद् ।

(3) केनोपनिषद् ।

(4) बृहदारण्यकोपनिषद् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. "भेदोक्तौ तदनुक्तौ च द्विधाऽसौ परिकीर्तितः" अत्र कोऽलङ्कारः भवति ?

(1) निदर्शना । (2) अर्थान्तरन्यासः ।

(3) संदेहः । (4) विभावना ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. शांख्यायन – आरण्यकस्य कोऽध्यायः संहितोपनिषद् नाम्ना ज्ञायते ?

(1) सप्तमः अष्टमश्च ।

(2) प्रथमः द्वितीयश्च ।

(3) तृतीयः षष्ठश्च ।

(4) पंचमः नवमश्च ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) मुण्डकोपनिषद् – माध्यन्दिनशाखा – सामवेदः ।

(2) छान्दोग्योपनिषद् – कौथुमशाखा – सामवेदः ।

(3) ईशावास्योपनिषद् – काण्वशाखा – कृष्णयजुर्वेदः ।

(4) ऐतरेयोपनिषद् – जैमिनीयशाखा – शुक्लयजुर्वेदः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' कठोपनिषदि प्रसिद्धासूक्तिरियं प्राप्यते –

(1) प्रथमोऽध्यायस्य द्वितीयवल्ल्याम् ।

(2) द्वितीयोऽध्यायस्य प्रथमवल्ल्याम् ।

(3) प्रथमोऽध्यायस्य प्रथमवल्ल्याम् ।

(4) प्रथमोऽध्यायस्य तृतीयवल्ल्याम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. यदा देवाः पुरुषेण हविषा यज्ञमतन्वत तस्याज्यं किमासीत् ?

(1) शरद् । (2) ग्रीष्म ।

(3) वसन्तः । (4) प्रावृट् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. 'यो जात एव प्रथमो मनस्वान् देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत् ।' इत्यत्र वैदिकं छन्दोऽस्ति –

(1) त्रिष्टुप् । (2) गायत्री ।

(3) उष्णिक् । (4) वृहती ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. यस्य महित्वा इमे हिमवन्तः यस्य रसया सह समुद्रम्, अत्र यस्य इति पदेन कः बोध्यः ?

(1) वरुणः । (2) पुरुषः ।

(3) इन्द्रः । (4) प्रजापतिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. "समानी वः आकूतिः समाना हृदयानि वः" इत्यस्य मन्त्रस्य देवः कः ?

(1) इन्द्रदेवः । (2) अग्निदेवः ।

(3) संज्ञानदेवः । (4) वरुणदेवः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. एषु कस्तावत् कविक्रतुः कथ्यते ?

(1) वरुणः । (2) अग्निः ।

(3) पुरुषः । (4) प्रजापतिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. 'सुक्रतुः' इति कस्य विशेषणम् ?

(1) इन्द्रस्य । (2) अग्नेः ।

(3) वरुणस्य । (4) पुरुषस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारम् "इमे देहाः उक्ताः" –

(1) अनाशिनः । (2) अप्रमेयाः ।

(3) अन्तवन्तः । (4) अव्ययाः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. विषयान् ध्यायतः पुंसः सम्मोहः कस्माद् भवति ?

(1) संगात् । (2) कामात् ।

(3) क्रोधात् । (4) स्मृतिभ्रंशात् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः ।' अत्र 'समाः' इत्यस्य कोऽर्थः ?

(1) धनानि । (2) पुण्यानि ।

(3) सम्वत्सरान् । (4) देवान् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. द्यावा चिदस्मै पृथिवी नमेते
शुष्माच्चिदस्य पर्वता भयन्ते ।।
अस्मिन् मंत्रांशे कस्य देवस्य स्तुतिर्वर्तते ?

(1) अग्नेः । (2) वरुणस्य ।

(3) इन्द्रस्य । (4) हिरण्यगर्भस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. शाकुन्तलेयस्य मणिबन्धे बद्धायाः औषधेः नाम किम् ?

(1) अमृता । (2) शुण्ठिः ।

(3) पुनर्नवा । (4) अपराजिता ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. "यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया, कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ता जडं दर्शनम्" इत्युक्तिरस्ति –

(1) गौतम्याः ।

(2) शार्ङ्गरवस्य ।

(3) महर्षि मारीचस्य ।

(4) महर्षि कण्वस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. ईशोपनिषदनुसारं अन्धं तमः के प्रविशन्ति ?

(1) ये सम्भूतिमुपासते ।

(2) ये विद्यामुपासते ।

(3) ये न विजुगुप्सते ।

(4) येऽसम्भूतिमुपासते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. गुरुवचनममलमपि अभव्यस्य श्रवणस्थितं किमिव महद्शूलमुपजनयति ?

(1) करिण इव ।

(2) अंधकारमिव ।

(3) परिणाम इव ।

(4) सलिलमिव ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. मनुस्मृति – अनुसारम् एकरात्रं निवसन् ब्राह्मणः उच्यते –

(1) श्रोत्रियः । (2) अतिथिः ।

(3) आचार्यः । (4) गुरुः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. आजन्म ब्रह्मचर्यपालने कीदृशं ब्रह्मचर्यं भवति ?

(1) उपकुर्वाणम् ।

(2) अनुकुर्वाणम् ।

(3) सौष्ठिकम् ।

(4) नैष्ठिकम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. शुकनासः आरूढविनयमपि चन्द्रापीडं किम् इच्छन् उवाच ?

(1) विनीततरं कर्तुम् ।

(2) राज्यभारभीतं कर्तुम् ।

(3) ऐश्वर्यमदमत्तं कर्तुम् ।

(4) सचिववशवर्तिनं कर्तुम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. स्वाध्यायेन कस्य ऋणस्य परिशोधनं क्रियते ?

(1) पितृ – ऋणस्य ।

(2) देव – ऋणस्य ।

(3) ऋषि – ऋणस्य ।

(4) पितृदेव – ऋणस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. मनुमते जातकर्मसंस्कारः कदा विधीयते –

(1) चतुर्थे मासे ।

(2) प्राङ्नाभिवर्धनात् ।

(3) षष्ठे मासे ।

(4) द्वितीये मासे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. मनुस्मृत्यनुसारम् – एषु समीचीनं कथनं नास्ति –

(1) गर्भाष्टमेऽब्दे ब्राह्मणस्योपनयनम् ।

(2) गर्भादेकादशे राज्ञः उपनयनम् ।

(3) आषोडशाद् ब्राह्मणस्य सावित्री अतिवर्तते ।

(4) गर्भात्तु द्वादशे विशः उपनयनम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. भारतीयसंस्कृत्यनुसारं भूतयज्ञस्यापरं नाम वर्तते –

(1) ब्रह्मयज्ञः ।

(2) देवयज्ञः ।

(3) नृयज्ञः ।

(4) बलिवैश्वदेवः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. "इन्द्रियाणां च पञ्चानां मनसो हृदयस्य च । विषये वर्तमानानां या प्रीतिरुपजायते ।।" महाभारतस्य श्लोकेऽस्मिन् कः पुरुषार्थः वर्णितः ?

(1) धर्मः । (2) अर्थः ।

(3) कामः । (4) मोक्षः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. "व्याधबाणेन" क्रौंचमिथुनादेकमवधीः" इति कथनं कस्य कवे : –

(1) भारवेः । (2) व्यासस्य ।

(3) श्रीहर्षस्य । (4) आदिकवेः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. एतेषु अनुपयुक्तं कथनं चिनुत –

(1) रामायणं चतुर्विंशतिसाहस्री अपि कथ्यते ।

(2) महाभारतस्य वनपर्वणि रामोपाख्यानमस्ति ।

(3) शिशुपालवधस्य तृतीयसर्गे रैवतक वर्णनमस्ति ।

(4) नैषधीयचरितं हि बृहत्त्रय्याम् अन्यतमम् अस्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. आदिशंकराचार्येण पश्चिमदिशि प्रतिष्ठापितस्य मठस्य नाम वर्तते –

(1) शृङ्गेरीमठ ।

(2) गोवर्धनमठ ।

(3) शारदामठ ।

(4) ज्योतिर्मठ ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. "अवन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः" इति सूक्तिरस्ति –

(1) माघस्य । (2) श्रीहर्षस्य ।

(3) भारवेः । (4) कालिदासस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. वासवदत्ताकाव्यस्य सन्दर्भे असत्यं वचः किम् ?

(1) एतत् सुबन्धुः विरचितवान् ।

(2) अस्य कथानकम् ऐतिहासिकमस्ति ।

(3) हर्षचरिते बाणः एतत् स्मृतवान् ।

(4) अत्र वासवदत्ताकन्दर्पकेत्वोः प्रेम वर्णितम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. एषु कतमं कथनम् असाधु ?

(1) कादम्बरी आख्यायिका वर्तते ।

(2) बाणभट्टः श्रीहर्षस्य सभापण्डितः आसीत् ।

(3) हर्षचरिते अष्टौ उच्छ्वासाः सन्ति ।

(4) कादम्बर्याः अन्तिमः भागः तत्पुत्रेण लिखितः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. कालिदासस्य 'दीपशिखा' इत्युपाधेराधारभूतं काव्यमस्ति –

(1) मेघदूतम् ।

(2) कुमारसम्भवम् ।

(3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् ।

(4) रघुवंशम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. संस्कृतसाहित्ये "आधुनिकबाणः" इत्युपाधिना विभूषितः कविः वर्तते –

(1) हृषीकेश-भट्टाचार्यः ।

(2) पण्डिता क्षमारावः ।

(3) हरेराम आचार्यः ।

(4) अम्बिकादत्त व्यासः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. अधस्तनेषु भासनाटकेषु एकांकीनाटकमस्ति –

(1) पंचरात्रम् ।

(2) बालचरितम् ।

(3) अभिषेकनाटकम् ।

(4) कर्णभारम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. त्रयोऽग्नयस्त्रयो देवास्त्रयो वेदास्त्रयो गुणाः ।
त्रयो दण्डिप्रबन्धाश्च त्रिषु लोकेषु विश्रुताः ।। इति दण्डिनः प्रशस्तिं कः उक्तवान् –

(1) गोवर्धनाचार्यः । (2) सोढ्ढलः ।

(3) श्री कृष्णः । (4) राजशेखरः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. अधोलिखितेषु असत्यवचनं किम् ?

(1) मालतीमाधवं दशांकं प्रकरणम् ।

(2) महावीरचरितं सप्तांकं नाटकम् ।

(3) मुद्राराक्षसं शृंगाररसप्रधानम् ।

(4) विक्रमोर्वशीये उर्वशीपुरुरवसोः प्रेमवर्णितम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. नायिकाविहीननाटकस्य प्रयोक्ता कविः –

(1) शूद्रकः ।

(2) अश्वघोषः ।

(3) श्रीहर्षः ।

(4) विशाखदत्तः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. "उत्तररामचरितम्" नाटकस्य छायाङ्कोऽस्ति –

(1) प्रथमोऽङ्कः ।

(2) द्वितीयोऽङ्कः ।

(3) तृतीयोऽङ्कः ।

(4) चतुर्थोऽङ्कः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. पञ्चतन्त्रविषये किम् असंगतं वचः ?

(1) अपरीक्षितकारकं पञ्चमम् ।

(2) पञ्चसु तन्त्रेषु विभक्तम् ।

(3) अत्र प्रतितन्त्रम् एका एव मुख्यकथा ।

(4) राज्ञः अमरकीर्तेः मनोरञ्जनाय रचितम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. नारायणपण्डितमते परोक्षार्थस्य दर्शकं सर्वस्य लोचनं किं भवति ?

(1) दण्डम् ।

(2) शास्त्रम् ।

(3) दर्पणम् ।

(4) अज्ञानम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. कतमा सूक्तिः नीतिशतके वर्तते ?

(1) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।

(2) शरद्घनं नार्दति चातकोऽपि ।

(3) ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि तं नरं न रञ्जयति ।

(4) सर्वः स्वार्थं समीहते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. कृति-कृतिकारयोः सुष्ठु मेलनं कुरुत –

क. पञ्चामृतम्	i. हरिराम आचार्य ।
ख. साहित्यवैभवम्	ii. कलानाथ शास्त्री ।
ग. मधुच्छन्दा	iii. मधुरानाथ शास्त्री ।
घ. जीवनस्य पृष्ठद्वयम्	iv. प्रभाकर शास्त्री

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	iii	i
(2)	iii	iv	i	ii
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	iv	i	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. 'प्रतापसिंहीयम्' इति रूपकस्य रचयिता कः ?

(1) डॉ. हरिराम आचार्यः ।

(2) डॉ. प्रभाकर शास्त्री ।

(3) देवर्षिः कलानाथ शास्त्री ।

(4) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. 'ईश्वरविलासः' इति काव्यस्य कर्त्ता वर्तते –

(1) पं. पद्म शास्त्री ।

(2) देवर्षिः कलानाथ शास्त्री ।

(3) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री ।

(4) डॉ. प्रभाकर शास्त्री ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. कतमा विशेषता मानवंशमहाकाव्यस्य नास्ति ?

(1) अस्येतिवृत्तम् ऐतिहासिकम् ।

(2) अत्र सर्वे पञ्चदश सर्गाः ।

(3) अत्र आमेरराजपरम्परा वर्णिता ।

(4) इदं सूर्यनारायणशास्त्रिणा रचितम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. "शिक्षकः बोध प्रश्नानां कठिनशब्दानां विस्तृतव्याख्याया अनन्तरं छात्रेभ्यः मनोयोगपूर्वकं पाठं वाचयितुमवसरं दद्यात्" । एतादृशः अवसरः कस्मिन् सोपाने प्रदीयते ।

(1) आदर्शवाचने

(2) अनुवाचने तथा काठिन्य निवारणे

(3) मौनवाचने

(4) सस्वरवाचने

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. पद्म – शास्त्रिकृतं "स्वराज्यम्" रचनाऽस्ति –

(1) दशसर्गात्मकं महाकाव्यम् ।

(2) सप्ताङ्कात्मकं नाटकम् ।

(3) सप्तसर्गात्मकं स्तोत्रकाव्यम् ।

(4) पञ्चसर्गात्मकं खण्डकाव्यम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. निम्नलिखितानाम् "अ भागे" लेखनाभ्यासप्रकाराः सन्ति, तेषां परिभाषीकरणं "ब भागे" अस्ति, समुचितं मेलनं कृत्वा उचितकुटाङ्कस्य चयनं कुरुत –

	अ-भाग		ब-भाग
क.	प्रत्यङ्कनम्	i.	कस्यापि पुस्तकस्य कमपि अंशं स्वीकृत्य तथैव शुद्धं सुघटितं च वाक्यं लेखितुम् अभ्यासं करोति ।
ख.	अनुलेखनम्	ii.	वर्णलेखने हस्तस्य दक्षतार्थम् अभ्यासः क्रियते ।
ग.	प्रतिलेखनम्	iii.	प्रत्यङ्कनस्य योगेन निर्मितानां शब्दानां प्रशिक्षणं दीयते ।
घ.	श्रुतलेखनम्	iv.	लेखनकौशलेन सह श्रवणकौशलस्य अपि प्राप्त्यर्थं सहायकं भवति ।

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	i	iv
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	ii	iii	iv	i
(4)	iv	iii	ii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. यथोचितं मेलनं कुरुत –

तालिका-अ	तालिका-आ
क. ध्वन्यात्मकानुलेखनम्	i. लेखनकौशलम्
ख. तत्स्थलीय-भाषणम्	ii. श्रवणकौशलम्
ग. पूर्ति-अभ्यासः	iii. पठनकौशलम्
घ. मौन पठनम्	iv. वदनकौशलम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	iv	iii	i
(3)	iii	iv	i	iii
(4)	ii	iv	i	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. वदनशिक्षणस्य विधी स्तः –

(क) ध्वन्यात्मकविधिः

(ख) उपकरणविधिः

(ग) दण्डान्वयविधिः

(घ) अन्वयव्यतिरेकविधिः

अधोलिखितेषु समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(1) केवलं क, ग

(2) केवलं क, ख

(3) केवलं ख, घ

(4) केवलं ख, ग

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. गद्यशिक्षणे काठिन्य-निवारणाय प्रयुक्तप्रवचनविधिषु अन्तर्भवन्ति –

I. अनुवादविधिः

II. परिभाषाविधिः

III. कोषविधिः

IV. व्युत्पत्ति-विधिः

समुचितं चिनुत –

(1) IV, III, I

(2) I, II, IV

(3) II, III, IV

(4) I, II, III

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. आगमनविधेः सोपानेषु नान्तर्भवति –

(1) परीक्षणम्

(2) नियमनिर्धारणम्

(3) उदाहरणप्रस्तावः

(4) प्रश्नकरणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. नाटकशिक्षणस्य रंगमञ्चाभिनयविधेः लक्षणं वर्तते –

(1) अस्मिन् विधौ अध्यापकः नाटकस्य कथावस्तु – पात्र–कथोपकथन–भाषा शैल्यादीनां व्याख्यां करोति ।

(2) अस्मिन् विधौ शिक्षकः स्वयमेव रूपक–पात्राणां वाचिकाभिनयं करोति ।

(3) अस्मिन् विधौ छात्राः स्व–स्व भूमिकानुसारं नाटकस्य वाचिकाभिनयं प्रस्तुवन्ति ।

(4) अस्मिन् विधौ छात्राः सम्पूर्णनाटकं रंगमञ्चे प्रस्तुवन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. सुमेलितं कुरुत –

क.	गद्यशिक्षणम्	i.	दण्डान्वयविधिः
ख.	पद्यशिक्षणम्	ii.	स्पष्टीकरणविधिः
ग.	व्याकरणशिक्षणम्	iii.	कक्षाभिनयविधिः
घ.	नाटकशिक्षणम्	iv.	आगमनविधिः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	i	iv	iii
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	ii	i	iii	iv
(4)	i	ii	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. लिखितरचनाशिक्षणस्य कस्मिन् विधौ शिक्षकः छात्रेभ्यः कमपि विषयं प्रदाय तैः सह चर्चां कृत्वा तज्जिज्ञासां वर्धयति, तदनन्तरं कल्पनाशक्तिमाधारीकृत्य छात्रेभ्यः लेखनस्वातन्त्र्य प्रददाति ।

(1) सूत्रविधिः

(2) उद्‌बोधनविधिः

(3) प्रश्नोत्तरविधिः

(4) निरीक्षणविधिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. शिक्षणकाले पाठस्य प्रस्तावनायाः मुख्यमुद्देश्यं किमस्ति ?

(1) शिक्षणकालं दीर्घं भवति ।

(2) विषयस्य निष्कर्षप्राप्त्यर्थम् ।

(3) उदाहरण प्रस्तुतीकरणाय ।

(4) विषयं प्रति रुच्यर्थम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. अनुवादशिक्षणे अनुवादस्य के भेदाः सन्ति ?

(1) पुनरनुवादः, तथ्यानुवादः, छायानुवादः ।

(2) अक्षरशोऽनुवादः, छायानुवादः, तथ्यानुवादः ।

(3) अक्षरशोऽनुवादः, भावानुवादः, पुनरनुवादः ।

(4) छायानुवादः, भावानुवादः, पुनरनुवादः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. अधोलिखितेषु दृष्टान्तकौशलस्य तत्त्वेषु नास्ति –

(1) सरलता सुगमता च

(2) प्रासंगिकता

(3) रोचकता

(4) नूतनता मधुरता च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. कक्षायां शिक्षणकाले शिक्षकः व्याख्याकौशलस्य प्रविधीनां प्रयोगं करोति, अधोलिखितेषु व्याख्या प्रविधिषु समुचितं समूहं चिनुत –

(1) परिभाषा, व्युत्पत्तिः, भाषान्तरम्, विलोमः, तुलना ।

(2) समासविग्रहः, व्युत्पत्तिः, अभिनयः, वाद-विवादः, विलोमः ।

(3) मूर्तसामग्री, तुलना, शाब्दिकोदाहरणम्, परिभाषा, वाद-विवादः ।

(4) भाषान्तरम्, सन्धिविश्लेषणम्, रचना, विलोमः, रेखाचित्रम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. एतेषु श्यामपट्ट कौशलस्य मानदण्डानि सन्ति –

(क) लेखस्य स्पष्टता

(ख) लेखनस्य स्वच्छता

(ग) शब्देषु उपयुक्तः अन्तरालः

(घ) आकृतौ समानशब्दरचना

अधोलिखितेषु समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(1) केवलं क, ख, घ

(2) केवलं ख, घ, ग

(3) केवलं क, ख, ग

(4) केवलं क, ग, घ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. अधिगमप्रक्रियायां प्रश्नोपयोगेन सम्बद्धम् इदं कथनं समीचीनम् अस्ति –

(क) प्रश्नः समस्यासमाधानस्य तर्कसङ्गतोपायः भवति ।

(ख) प्रश्नः ज्ञानस्य स्थिरां प्रकृतिं प्रदर्शयति ।

(ग) शिक्षकः शिष्यान् एकस्मात् प्रश्नात् एकम् उत्तरम् अन्वेष्टुं प्रोत्साहयति ।

(घ) प्रश्नः समस्या – समाधाने उपयुज्यते ।

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

(1) केवलं क, घ

(2) केवलं ख, ग

(3) केवलं ग, घ

(4) केवलं क, ख

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. आद्ये विशेषणं योज्यं विशेष्यं तदनन्तरम् इति लक्षणानुसारेण

"नमन्ति फलिताः वृक्षाः नमन्ति च बुधाः जनाः ।
शुष्ककाष्ठाश्च मूर्खाश्च भिद्यन्ते न नमन्ति च ।।"

इति पद्यस्य पाठयोजनायां अन्वयक्रमः कः समुचितः ?

(1) शुष्ककाष्ठाः मूर्खाः च न भिद्यन्ते नमन्ति च । फलिताः वृक्षाः नमन्ति बुधाः जनाः नमन्ति ।

(2) बुधाः जनाः नमन्ति, फलिताः वृक्षाः शुष्ककाष्ठाः न नमन्ति ।

(3) नमन्ति फलिताः वृक्षाः नमन्ति च बुधाः जनाः, मूर्खाः न भिद्यन्ते ।

(4) फलिताः वृक्षाः नमन्ति, बुधाः जनाः नमन्ति शुष्ककाष्ठाः मूर्खाः च न भिद्यन्ते नमन्ति च ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. गद्यपाठयोजनायाम् अर्थ स्पष्टीकरणं कस्मिन् सोपाने भवति ?

(1) प्रस्तावनायाम् ।

(2) पठने ।

(3) काठिन्यनिवारणे ।

(4) अभ्यासे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. अनुवाद शिक्षण पाठयोजनायाः सोपानेषु अयं युग्मः नान्तर्भवति –

(1) प्रस्तावना तथा उद्देश्यकथनम्

(2) सामान्योद्देश्यानि एवं विशिष्टोद्देश्यानि

(3) आदर्शवाचनं मौनपठनञ्च

(4) प्रस्तुतीकरणं गृहकार्यञ्च ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. निम्नाङ्कितेषु मौखिकरचना पाठयोजनातः सम्बन्धितं कथनं नास्ति –

(1) छात्रः यदा वदति तदा सः नावरोधनीयः ।

(2) कक्षायां पूर्वं कुशाग्रबालकैः उच्चारणं न कारयितव्यम् ।

(3) मौखिककार्यस्य संशोधनं लिखितकार्यस्य संशोधनापेक्षया अधिकं कठिनं भवति ।

(4) शिक्षकाणां स्वकीयोच्चारणं शुद्धेन भवितव्यम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. 'विशेषणविशेष्यभाव' इत्यस्य व्याकरण-पाठयोजनायाः पाठनकाले शिक्षणोपकरणेषु इदमुपकरणम् अनिवार्यरूपेण भवेत् –

(1) सन्दर्भग्रन्थः तथा सूचीदण्डः

(2) लपेटश्यामफलकम्

(3) पाठ्यपुस्तकम्

(4) सम्बद्धोदाहरणानां स्फोरकपत्रम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. विद्यमानस्यादर्शनं किं भवति ?

(1) इत्संज्ञम् । (2) लोपसंज्ञम् ।

(3) सवर्णसंज्ञम् । (4) संयोगसंज्ञम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. वर्णानामुच्चारणस्थानैः सह सुमेलनं कुरुत –

क.	इचुयशानाम्	i.	दन्ताः ।
ख.	लृतुलसानाम्	ii.	कण्ठतालु ।
ग.	एदैतोः	iii.	मूर्धा ।
घ.	ऋटुरषाणाम्	iv.	तालुः ।

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	i	iii	ii
(2)	i	ii	iv	iii
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	i	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. अत्र सङ्गतं युग्मं चिनुत –

(1) प्रत्याहारसंज्ञा – आदिरन्त्येन सहेता ।

(2) संहितासंज्ञा – हलोऽनन्तराः ।

(3) संयोगसंज्ञा – हलन्त्यम् ।

(4) इत्संज्ञा – परः संनिकर्षः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. सुबन्तानां तिङन्तानां च का संज्ञा स्यात् ?

(1) सवर्णसंज्ञा । (2) पदसंज्ञा ।

(3) संहितासंज्ञा । (4) इत् – संज्ञा ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. 'हरे + अव' इत्यस्य सन्धिपदं किम् ?

(1) हरेरव । (2) हरेअव ।

(3) हरऽव । (4) हरेऽव ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. असमीचीनं सन्धिविच्छेदं चिनुत –

(1) तव + लृकारः = तवल्कारः ।

(2) विष्णु + ए = विष्णवे ।

(3) उप + ओषति = उपोषति ।

(4) नदी + इदानीम् = नदीदानीम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. "कुर्विदम्" "गायन्ति" "प्रेक्षते" "राजा + एषः" इत्येतेषां क्रमशः सन्धिनामानि प्रदर्शयत –

(1) यण्, अयादिः, पररूपम्, गुणः ।

(2) यण्, अयादिः, गुणः, वृद्धिः ।

(3) यण्, गुणः, गुणः, गुणः ।

(4) यण्, अयादिः, पररूपम्, वृद्धिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. "स प्रत्येकमुदात्तादिभेदेन त्रिधा" अत्र 'स' इति पदेन बोध्यो वर्तते –

(1) खर् । (2) अच् ।

(3) हल् । (4) जश् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. "झयो होऽन्यतरस्याम्" सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) वाग्घरिः । (2) अज्झीनम् ।

(3) तद्धविः । (4) गुब्बसति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. तद् + शिवः, एतद् + मुरारिः, तद् + टीका एतेषां क्रमशः सूत्राणि चिनुत –

(1) झलांजशोऽन्ते, शश्छोऽटि, ष्टुना ष्टुः ।

(2) शश्छोऽटि, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, ष्टुना ष्टुः ।

(3) ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते – तोर्लिः ।

(4) शश्छोऽटि, झलां जशोऽन्ते ष्टुना ष्टुः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. "शिव + रु + अर्च्यः" इत्यत्र शिवशब्दस्य अकारः किं संज्ञकः –

(1) प्लुतसंज्ञकः । (2) ह्रस्वसंज्ञकः ।

(3) गुरुसंज्ञकः । (4) दीर्घ संज्ञकः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. 'सम्राट् + इच्छति' अत्र सन्धिपदमस्ति –

(1) सम्राटिच्छति ।

(2) सम्रडिच्छति ।

(3) सम्राडिशति ।

(4) सम्राडिच्छति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. 'हरी रम्यः' इत्युदाहरणे ईकारः केन सूत्रेण भवति ?

(1) अकः सवर्णे दीर्घः ।

(2) प्रथमयोः पूर्वसवर्णः ।

(3) अतो रोरप्लुतादप्लुते ।

(4) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. 'रूपस्य योग्यम्' 'शक्तिमनतिक्रम्य' 'सदृशः सख्या' – इत्येतत्त्रयस्य समस्तं पदं विलिखत –

(1) अनुरूपम्, यथाशक्तिः, सहसखि ।

(2) अनुरूपम्, यथाशक्ति, ससखि ।

(3) प्रतिरूपम्, प्रतिशक्ति, सदृशसखिः ।

(4) अनुरूपः, यथाशक्तिः, ससखिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. "वाक् च त्विट् च" इत्यस्य समस्तं पदमस्ति –

(1) वाक्त्विषम् । (2) वाक्त्विषः ।

(3) वाक्त्विषौ । (4) वाक्त्विट् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. 'विष्णुस्त्राता' इत्यस्य विग्रहपदं वर्तते –

(1) विष्णुः + त्राता ।

(2) विष्णूू + त्राता ।

(3) विष्णुश् + त्राता ।

(4) विष्णुष् + त्राता ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. "प्रायेणोत्तरपदार्थप्रधानः" समासः वर्तते –

(1) अव्ययीभावः । (2) तत्पुरुषः ।

(3) कर्मधारयः । (4) बहुव्रीहिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. "समिधः समीपम्" इत्यस्य समस्तपदं नास्ति

(1) उपसमिध् । (2) उपसमिद् ।

(3) उपसमित् । (4) उपसमिधम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. "कर्त्तव्यम्, शक्यम्, कृत्यम्, कार्यम्" इत्येतेषु पदेषु क्रमशः प्रत्ययाः वर्तन्ते –

(1) क्यप्, यत्, ण्यत्, तव्यत् ।

(2) यत्, क्यप्, ण्यत्, तव्यत् ।

(3) तव्यत्, क्यप्, यत्, ण्यत् ।

(4) तव्यत्, यत्, क्यप्, ण्यत् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. 'देवब्राह्मणः' इत्यस्य विग्रहः कः ?

(1) देवश्च ब्राह्मणश्च ।

(2) देवानां ब्राह्मणाः ।

(3) देवपूजको ब्राह्मणः ।

(4) देवेषु ब्राह्मणः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. 'इदम्' शब्दात् वतुप् प्रत्यये किं रूपं निष्पद्यते ?

(1) इदावत् । (2) इदवान् ।

(3) इयान् । (4) अयम्वत् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. एषु टाप् – ङीप् – ङीष् – प्रत्ययान्ताः शब्दाः क्रमशः वर्तन्ते –

(1) बाला – भवती – गौरी ।

(2) वत्सा – नर्तकी – बैदी ।

(3) अजा – कुमारी – शार्ङ्गरवी ।

(4) अश्वा – गौरी – ब्राह्मणी ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. "अधीतवान्, दधत्, दधानः, संचित्य" इत्येषां प्रत्ययान् क्रमशः चिनुत –

(1) क्तवतु, शानच्, शतृ, क्त्वा ।

(2) क्तवतु, शतृ, शानच्, ल्यप् ।

(3) मतुप्, क्तवतु, शतृ, ल्यप् ।

(4) वतुप्, शतृ, कानच्, ल्यप् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. अधोलिखितेषु असङ्गतं युग्मं चिनुत –

(1) पच् + क्त = पक्वः ।

(2) दा + क्त = दत्तः ।

(3) धा + क्त = धातः ।

(4) क्षै + क्त = क्षामः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. 'मतीः' 'नदीः' 'मत्याम्' 'मतौ' इत्यमीषां विभक्तीः चिनुत –

(1) द्वितीया – द्वितीया – सप्तमी – सप्तमी ।

(2) द्वितीया – सप्तमी – षष्ठी – द्वितीया ।

(3) द्वितीया – तृतीया – षष्ठी – सप्तमी ।

(4) द्वितीया – द्वितीया – षष्ठी – सप्तमी ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. चतुर्थी विभक्तेः शुद्धानि रूपाणि चिनुत –

(1)	सर्वस्यै	सर्वेभ्याम्	सर्वेभ्यः ।
(2)	धेनवै	धेनुभ्याम्	धेनूभ्यः ।
(3)	पत्यै	पतीभ्याम्	पतिभ्यः ।
(4)	मनसे	मनोभ्याम्	मनोभ्यः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. विभक्तिशब्दयोः सुष्ठु मेलनं कुरुत –

क.	तृतीया बहुवचने	i.	हरिम् ।
ख.	द्वितीया–एकवचने	ii.	गुरुभिः ।
ग.	सप्तम्येकवचने	iii.	पितरि ।
घ.	षष्ठी–द्विवचने	iv.	रामयोः ।

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iv	iii
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	i	iii	ii	iv
(4)	ii	i	iii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. अत्रासंगतं युग्मं चिनुत –

(1) ते – ताः ।

(2) सर्वे – सर्वाः ।

(3) ते – तानि ।

(4) इमे – इमाः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. 'भवेः', भवाम', 'अभवम्', भविष्यामः', 'द्रक्ष्यति' इत्यमीषां लकारान् चिनुत –

(1) लिङ्, लट्, लङ्, लृट्, लट् ।

(2) वि·लिङ्, लोट्, लङ्, लृट्, लृट् ।

(3) लिङ्, लोट्, लङ्, लट्, लृट् ।

(4) आ·लिङ्, लोट्, लङ्, लृट्, लट् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. अत्रासंगतं युग्मं चिनुत (उभयपदीसन्दर्भे)

(1) करोति – कुरुते ।

(2) करोतु – कुरुताम् ।

(3) कुर्यात् – कुर्वीत् ।

(4) करिष्यति – करिष्यते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. 'नामनि' इति रूपम् –

(1) प्रथमा द्विवचनस्य ।

(2) द्वितीया बहुवचनस्य ।

(3) चतुर्थ्येकवचनस्य ।

(4) सप्तम्येकवचनस्य ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. 'नम्–धातोः' लृट्–लकारे मध्यमपुरुषस्य रूपाणि सन्ति –

(1) नंस्यामि नंस्यावः नंस्यामः ।

(2) नंष्यसि नंष्यथः नंष्यथ ।

(3) नंस्यसि नंस्यथः नंस्यथ ।

(4) नमिष्यसि नमिष्यथः नमिष्यथ ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. याच् धातोः आत्मनेपदस्य रूपं नास्ति –

(1) याचेत । (2) याचे ।

(3) अयाचताम् । (4) याचेय ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. समुच्चय – अन्वाचययोगे एष अव्ययः प्रयुज्यते –

(1) यथा । (2) पुनः ।

(3) चिरम् । (4) च ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. एतेषु अव्ययपदं नास्ति –

(1) किमर्थम् । (2) उभयम् ।

(3) कथम् । (4) इदानीम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. धातु – तेषां रूपाणां साधु रूपं चिनुत् –

(1) दाधातोर्लङि – दद्युः ।

(2) नृतधातोर्लृटि – नृतिष्यति ।

(3) शक्धातोर्लटि – शक्नुत ।

(4) ज्ञाधातोर्लोटि – जानीहि ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. "सः मयि न प्रत्येति" । इत्यत्र 'प्रत्येति' इति सोपसर्गं क्रियापदं कस्मिन्नर्थे प्रयुक्तम् ?

(1) समीपार्थे । (2) दूरार्थे ।

(3) विश्वासार्थे । (4) प्राप्त्यर्थे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. 'वृक्षं वृक्षं प्रति सिञ्चति' इत्यत्र प्रति इत्युपसर्गस्य अर्थो वर्तते ।

(1) इत्थंभूताख्यानम् ।

(2) वीप्सा ।

(3) लक्षणम् ।

(4) भागः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. 'व्याप्नोति' इत्यत्र उपसर्गः कः वर्तते ?

(1) वि । (2) आङ् ।

(3) वि, अति । (4) वि, अप् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. कस्मिन् विकल्पे कालवाचकानि सर्वाणि अव्ययानि वर्तन्ते –

(1) ह्यः, कथम्, चिरम्, श्वः ।

(2) श्वः, प्रातः, सायं, ह्यः ।

(3) शनैः, प्रातः, पुनः, श्वः ।

(4) चिरम्, उच्चैः, नीचैः, शनैः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK